Course – M.A. Education
Paper – V
Topic – Creativity
Prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई : 6 सर्जनात्मकता
Unit : 6 CREATIVITY

6.1 सर्जनात्मकता का अर्थ :- (Meaning of creativity)

सर्जनात्मकता का तात्पर्य नई चीज़ की रचना करने की योग्यता है। यदि कोई व्यक्ति नई वस्तु का निर्माण करता है, नई खोज करता है, समस्या समाधान का नया तरीका निकालता है, तो कहा जाएगा कि वह व्यक्ति सर्जनात्मक है।

क्रूक्स (Croocks, 1991) के अनुसार,

" सर्जनात्मक एक योग्यता है जो ऐसे परिणामों को उत्पन्न करती है, जो नवीन के साथ-साथ उपयोगी एवं मूल्यवान होते हैं।

बैरोन (Baron, 2003) के अनुसार
सर्जनात्मकता ऐसे कार्य को उत्पन्न करने की योग्यता है, जो नवीन तथा उपयुक्त हो।

6.2 सर्जनात्मकता की विशेषताएँ :- (~~Nature~~ characteristics of creativity)

1) सर्जनात्मकता एक मानसिक योग्यता है।
(2) सर्जनात्मकता नवीनता से सम्बद्ध योग्यता है।
(3) सर्जनात्मकता का सम्बन्ध नए ढंग से कार्य करने की विधि से है।
4) सर्जनात्मकता का सम्बन्ध अप्रमाव क्रिया से होता है।
(5) सर्जनात्मकता का सम्बन्ध उपयोगी कार्य से होता है,

Scanned with CamScanner

6.3 सर्जनात्मकता के उपागम:- (Approaches of creativity)

(1) संज्ञानात्मक उपागम:- (Cognitive approach)

इस उपागम के अनुसार सर्जनात्मकता का मूल साधन वास्तव में संज्ञानात्मक योग्यताएँ हैं। इस संबंध में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि सर्जनात्मकता के दो प्रकार हैं - (1) साधारण सर्जनात्मकता (2) असाधारण सर्जनात्मकता

(2) व्यक्तित्व उपागम:- (Personality approach)

मनोवैज्ञानिकों ने सर्जनात्मकता का आधार व्यक्तित्व शीलगुणों को माना है। उनके अनुसार अहम शक्ति, स्वधारणा, स्वअभिव्यक्ति, जिज्ञासा, लचीलापन, मौलिकता आदि व्यक्तित्व शीलगुण सर्जनात्मक चिंतन के विकास में सहायक होते हैं।

(3) वातावरणीय उपागम:- (Environmental approach)

इस उपागम के अनुसार सर्जनात्मकता के विकास पर वातावरण का प्रभाव अधिक पड़ता है। उत्तेजक वातावरण इसके विकास में सहायक होता है।

(4) प्रेरणात्मक उपागम:- (Motivational approach)

इस उपागम के अनुसार जो बच्चे बिना किसी बाहरी पुरस्कार के किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित होते हैं उनमें सर्जनात्मकता का विकास सहज रूप से संभव होता है।

(5) संगामी उपागम (Confluence approach)

यह उपागम काफी समग्र तथा संतोषजनक है। स्टर्नबर्ग तथा लुबार्ट (Sternberg & Lubart, 1996) ने इस संदर्भ में निम्नलिखित कारकों का उल्लेख किया है:-

(1) बौद्धिक योग्यताएँ
(2) ज्ञान
(3) चिंतन की विशिष्ट शैलियाँ
(4) व्यक्तित्व शीलगुण

Scanned with CamScanner

6.4 सर्जनात्मक प्रक्रिया के सोपान (Steps in creative process)

सर्जनात्मक प्रक्रिया के निम्नलिखित सोपान हैं:-

(1) **समस्या का प्रत्यक्षण:-** (Perceiving the problems) सर्जनात्मक प्रक्रिया की शुरुआत एक ऐसी अनूठी समस्या या एक ऐसी असामान्य समस्या की पहचान से प्रारंभ होती है जिसे सामान्य व्यक्ति प्रत्यक्षण नहीं कर पाता।

(2) **समस्या को परिवर्तित करना:-** (Modifying the problem) समस्या में परिवर्तन कई तरीकों से लाया जाता है। जैसे - समस्या का विस्तारण करके, उसे विपरीत करके, उसे अधिक ठोस बनाकर समस्या में परिवर्तन लाया जा सकता है तथा उसके विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जा सकता है।

(4) **उद्भवन प्रभाव:-** (Incubation effect) जब कई ढंग से कोशिश करने के बाद भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो पाता, तो उद्भवन की अवस्था की उत्पत्ति होती है। इस अवस्था में व्यक्ति समस्या के बारे में चिंतन करना छोड़ देता है तथा विश्राम करने लगता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि इस अवस्था में व्यक्ति अपना ध्यान समस्या की ओर से पूर्णतः हटा लेता है, फिर भी अचेतन रूप से उसके बारे में सोचता रहता है।

(3) **निर्णय को विलम्बित करना:** (Suspending the judgement) इस सोपान में व्यक्ति समस्या के प्रति परम्परागत निर्णयों को निर्भीक होकर विलम्बित कर देता है तथा उनकी जगह एक हास्यास्पद विचार जो आम लोगों को मात्र एक बेहूदा विचार लग सकता है, का प्रतिपादन करता है।

Scanned with CamScanner

(5) किसी एक विचार से बँध जाना : (sticking with an idea)
इस अवस्था में सर्जनात्मक चिन्तक किसी एक ऐसे विचार पर आकर एक तरह से बँध जाते हैं जिसे वह पूरा करना चाहते हैं। किसी विचार पर इस तरह से बंध जाने के लिए लोग उसे सनकी भी कहना शुरू कर देते हैं परन्तु फिर भी वे अपने विचार पर अडिग रहते हैं।

(6) परिणाम की अटकलबाजी : (Envisioning the result)
इस सोपान में व्यक्ति अपनी समस्या के संभावित परिणाम का अंदाज लगाने लगता है।

(7) उत्तम निष्कर्ष का चयन (selecting the best conclusion)
इस सोपान में व्यक्ति समस्या के विभिन्न संभावित समाधानों में से उत्तम समाधान को चुन लेता है।

(8) अपने लिए गए निर्णय को सुसाध्य करने की इच्छा :- (willingness to facilitate the decision)
इस सोपान में व्यक्ति अपने द्वारा लिए गए निर्णय को कार्यरूप देने की मंशा दिखा पाता है। इस सोपान में सर्जनात्मक चिंतक लोगों के विरोध की तनिक भी परवाह नहीं करता है।

(9) अनिश्चितता को स्वीकार करना : (Acceptance of uncertainty)
अस्पष्टता एवं अनिश्चितता के माहौल को पसंद करना तथा उसे बनाए रखना सर्जनात्मक का प्रमुख अंश या भाग है और पूरी सर्जनात्मक प्रक्रिया के दौरान इस प्रकार की अनिश्चितता एवं अस्पष्टता को एक सर्जनात्मक चिंतक खुशी-खुशी बर्दाश्त करता है।

Scanned with CamSca

6.5 सर्जनात्मकता के मापन :- (Measurement of creativity)

सर्जनात्मकता को मापने का परीक्षण निम्नलिखित है :-

(1) **सर्जनात्मक का टॉरेन्स परीक्षण** (Torrance test of creativity)

इस टेस्ट का निर्माण टॉरेन्स ने किया। इसके दो अनुच्छेद है - (i) शाब्दिक तथा आकृतिक। इस परीक्षण के एकांशों के प्रति दिए गए उत्तरों के आधार पर सर्जनात्मकता के तीन तत्वों अर्थात लचीलापन, मौलिकता तथा धाराप्रवाहिता का मापन होता है।

(2) **रिमोट एसोसिएट्स परीक्षण** (Remote Associates Test)

इस परीक्षण का निर्माण मेडनिक एवं मेडनिक, 1974 द्वारा किया गया। इसमें 40 एकांश है और इसके द्वारा छात्रों की साहचर्यात्मक धाराप्रवाहिता की माप की जाती है।

(3) **असामान्य प्रयोग परीक्षण** :- (unusual uses Test)

इस परीक्षण के द्वारा छात्रों की मौलिकता की जाँच होती है।

(4) **परिणाम परीक्षण** :- (Consequences test)

इस तरह के परीक्षणों में व्यक्ति को खास - खास परिवर्तनों के संभावित परिणामों के बारे में बताने के लिए कहा जाता है। दिए गए उत्तरों को नवीनता तथा उपयुक्तता के आधार पर जाँचा जाता है।

(5) **वर्णविपर्यय परीक्षण** (Anagram test)

इस तरह के परीक्षण द्वारा सर्जनात्मकता की जाँच करने में व्यक्ति को एक-एक करके कुछ शब्द दिए जाते है और प्रत्येक दिए गए शब्द के अक्षरों से जितने नए-नए शब्द बन सकते हैं, उन्हें बनाने के लिए कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

6.6 सर्जनात्मकता का शिक्षण (Teaching of creativity).

निम्नांकित कुछ ऐसे उपाय हैं जिनका कक्षा में उपयोग करके शिक्षक छात्रों में सर्जनात्मकता को बढ़ावा दे सकते हैं :—

(1) शिक्षक को विवादात्मक प्रश्नों को जान-बूझकर पूछना चाहिए।
(2) शिक्षकों को छात्रों में आत्म-अभिव्यक्ति की आदत डालनी चाहिए।
(3) नए-नए विचारों के मौलिक स्रोतों से छात्रों को अवगत कराना चाहिए।
(4) किसी प्रक्रिया या विषय को सीखने के लिए किए गए अभ्यास के लिए छात्रों को इनाम या पुरस्कार देना चाहिए।
(5) वस्तुओं या विचारों का जोड़-तोड़ करने का बढ़ावा छात्रों को देना चाहिए।
(6) छात्रों में रचनात्मक आलोचना की क्षमता विकसित करना चाहिए।
(7) छात्रों को नए-नए विचारों को जाँच करने की प्रविधियों पर शिक्षक को बल डालना चाहिए।

6.7 अभ्यास के प्रश्न :- (Questions for Exercise)

1) Define creativity. Describe the characteristics and approaches of creativity.
सर्जनात्मकता को परिभाषित कीजिए। सर्जनात्मकता की विशेषता तथा उपागम का वर्णन कीजिए।

2) Define creativity. Describe the steps of creative process.
सर्जनात्मकता को परिभाषित कीजिए। सर्जनात्मक प्रक्रिया के सोपान का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner